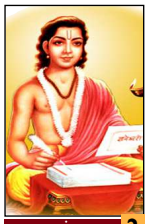

पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

CBC CODE-134222

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 05 | अंकः 9 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, शुक्रवार 7 अगस्त, 2026 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

गायत्री प्रज्ञापीठ पर दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा पर्व संपन्न

जयपुर (संस्कार सृजन)

शहर के राधाबाग स्थित गायत्री प्रज्ञापीठ संस्थान में दो दिवसीय गुरुपूर्णिमा पर्व अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ पर्व से पूर्व 24 घंटे के सामूहिक अखंड गायत्री जप से हुआ, जिसमें सभी साधकगणों ने तन्मयता से भाग लिया।

पर्व के मुख्य दिन परम पूज्य गुरुदेव एवं वंदनीया माताजी का विधिवत पूजन-अर्चन कर 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने लोक कल्याण, आत्म-कल्याण एवं विश्व मंगल की कामना करते हुए यज्ञ भगवान में आहुतियां समर्पित कीं।

यज्ञ के पश्चात आयोजित सभा में ट्रस्ट सचिव ने मंदिर में चल रहे जीर्णोद्धार कार्य

का आय-व्यय का पूरा विवरण सभी परिजनों के समक्ष प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मंदिर निर्माण एवं जीर्णोद्धार में आर्थिक सहयोग देने वाले भामाशाहों का गायत्री परिवार की ओर से दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। संस्था के सेवा कार्यों से प्रेरित होकर कई नए भामाशाहों ने भी मंदिर कार्य हेतु सहयोग राशि देने की घोषणा की। अंत में ट्रस्ट अध्यक्ष ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी श्रद्धालुओं, कार्यकर्ताओं एवं भामाशाहों का आभार व्यक्त किया। संपूर्ण कार्यक्रम का मंच संचालन लोकेंद्र सिंह, रमेश राजपाल एवं नरेश जिंदल ने कुशलपूर्वक किया।

इस भव्य धार्मिक आयोजन के दौरान गजेंद्र सिंह बीजावत, सावरमल अग्रवाल, रामधन टाक, एड. जितेंद्र सिंह, बंशीधर शर्मा, पवन माहेश्वरी, सुरेश विजय, मालचंद बुनकर, सालिगराम अग्रवाल, दिनेश खेमावला, विनोद अग्रवाल, अमित अग्रवाल, महेंद्र विजय, पिंकी अग्रवाल, भेरूराम यादव, सुरेश जाट, बाबूलाल जांगिड़, अमृता कुमावत, अनिता अग्रवाल, नितेश कानूनगो, जितेंद्र कुमार शर्मा, मुकेश सैनी एवं परिव्राजक दयाराम राजपाल सहित बड़ी संख्या में गायत्री परिवार के परिजन व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सुकून सुर रागिनी का 'साउंड ऑफ म्यूजिक 2.0' कार्यक्रम 9 अगस्त को

जयपुर (संस्कार सृजन)

संगीत प्रेमियों के लिए एक बेहद खास और यादगार शाम का आयोजन होने जा रहा है। सुकून सुर रागिनी संस्था द्वारा रविवार 9 अगस्त 2026 को जयपुर में एक भव्य लाइव म्यूजिक सिंगिंग इवेंट साउंड ऑफ म्यूजिक 2.0 का आयोजन करने जा रही है। एवरी नोट, एवरी वॉयस, वन हार्टबीट की खूबसूरत थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में सुरों, यादों और जादू का एक अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

डायरेक्टर नीरा राजबंशी ने बताया कि कार्यक्रम शाम 5 बजे से रात 9:30 बजे तक आर.आई.सी. मिनी ऑडिटोरियम 1, जयपुर में में संपन्न होने जा रहा है। इस संगीतमय शाम को सफल बनाने में एडमिन टीम के सदस्य अनुपमा माथुर, आयुषी कुलश्रेष्ठ, कर्नल बी. एल. माथुर, जीतेंद्र नाग और मुकुल कुलश्रेष्ठ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जयपुर के सभी संगीत प्रेमियों को इस जादुई और सुरीली शाम का हिस्सा बनने के लिए सादर आमंत्रित किया गया है।

शॉर्ट फिल्म 'सच्ची आजादी' की मुहूर्त के साथ हुई शूटिंग शुरू

चौमूं (संस्कार सृजन)। संस्कार सृजन संस्था के बैनर तले निर्मित होने वाली शॉर्ट फिल्म 'सच्ची आजादी' की शूटिंग जयपुर जिले के चौमूं कस्बे में शुरू हुई। शूटिंग की शुरुआत पूर्ण विधि-विधान से पूजा अर्चना कर की गई।

फिल्म के डायरेक्टर राम गोपाल सैनी ने बताया कि आज के इस आधुनिक युग में देशभक्ति ने दिखावे का रूप ले लिया है, लोग सोशल मीडिया पर सिर्फ़ दिखावे के लिए देशभक्ति से संबंधित पोस्ट करते हैं। लेकिन आज भी ऐसे लोग हैं जिनके सीने में देशभक्ति जिंदा है। इसी देशभक्ति की बदौलत हमारे देश में सच्ची आजादी का पता चलता है। तिरंगा ही हमारे देश का मान और सम्मान है।

इस शॉर्ट फिल्म में राजस्थानी सिनेमा के महानायक उग्रसेन तंवर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही मोहन सैनी, पंडित रविंद्र आचार्य, राजकमल डूडी, शेर सिंह कुमावत, सोनू शर्मा, संदीप शर्मा, रजनीश सैनी, मीना, प्रिया, अक्षिता, अंतिमा,

विहान, दिव्यांश, यशित आदि भी अभिनय कर रहे हैं। वहीं फिल्म के सह-निदेशक संदीप शर्मा ने बताया कि संस्कार सृजन संस्था द्वारा निर्मित यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर इंडिया यूट्यूब चैनल पर रिलीज की जाएगी। इससे पहले भी अनमोल जीवन और अपमान जैसी शॉर्ट फिल्मों को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला है। एडिटिंग रजनीश सैनी की रहेगी। इस दौरान नारंगी देवी, सुनील शर्मा, अंकित शर्मा, अंकिता शर्मा सहित पूरी टीम मौजूद रही।

विधानसभा चौमूँ में नॉन पेचेबल एवं मिसिंग लिंक सड़कों के लिए 10.09 करोड़ की मिली स्वीकृति

जयपुर (संस्कार सृजन)

विधानसभा क्षेत्र चौमूँ के सर्वांगीण विकास एवं सुगम आवागमन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने बजट 2026-27 के अंतर्गत नॉन पेचेबल और मिसिंग लिंक सड़कों के निर्माण कार्यों के लिए 10 करोड़ 9 लाख रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी है। स्वीकृति की जानकारी देते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि चौमूँ क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा बजट वर्ष 2026-27 के अंतर्गत नॉन पेचेबल सड़कें कुल 20.700 किमी लंबाई की सड़कों के निर्माण के लिए 507 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं और मिसिंग लिंक सड़कें कुल 13.800 किमी लंबाई की सड़कों के जोड़ के लिए 502 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं।

स्वीकृत नॉन पेचेबल सड़कें (कुल 20.700 किमी) आष्टीकलां से किशनपुरा (3.0 किमी), नांगलकलां से किरत सिंह का बास (2.0 किमी), विजयनगर से लालासर सीमा तक (1.5 किमी), मलिकपुर सड़क से सीतारामपुरा सड़क (0.7 किमी),तेजाजी मंदिर से राजवाली कोठी तक (1.5 किमी), चीथवाड़ी से इशराला सड़क तक (1.5 किमी), बालू मोड़ से रीको की ओर (1.0 किमी), आलीसर रोड से चारणवास तक (1.5 किमी), कानपुरा सड़क से शोकिलपुरा तक (2.0 किमी), देवपुरा से गुर्जरों की ढाणी चौराहा तक (2.0 किमी), गुडलिया से हीरा का बास की ओर (1.0 किमी), अजीतगढ़ सड़क से सुल्तानपुरा तक (1.0 किमी), सुल्तानपुरा सड़क से पानी की टंकी तक

(2.0 किमी) स्वीकृत मिसिंग लिंक सड़कें (कुल 13.800 किमी) में दौलतपुरा सड़क से श्रीराम स्वामी के मकान तक (0.9 किमी), मण्डा भिण्डा सड़क से राजकीय प्राथमिक विद्यालय तक (0.9 किमी), आलीसर से विमलपुरा की ओर (0.9 किमी), कालाडेरा सड़क से लाल महाराज के मंदिर तक (0.6 किमी), गुर्जरों की ढाणी से शिव मठ की ढाणी तक (0.7 किमी), स्याऊ सड़क से ईटावा भोपजी तक (1.0 किमी), रेनवाल सड़क से प्रजापतों की ढाणी तक (0.5 किमी), सान्दरसर सड़क से मीणो की ढाणी तक (1.3 किमी), मालेरा से झाडली की ढाणी तक (0.9 किमी), गौरी का बास सड़क से राजकीय प्राथमिक स्कूल तक (0.6 किमी), मानावाली ढाणी से रीको की ओर (0.9 किमी), सिरसा से घुमरा वाली ढाणी तक (1.3 किमी), आई.टी.आई. चौराहे से टीनावाली ढाणी तक (1.0 किमी), ग्राम आलीसर से ढाणी नदी वाली (वाया-ढाणी मीणा) तक डामर/सीसी सड़क निर्माण कार्य (2.3 किमी) की स्वीकृति जारी की गई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने चौमूँ क्षेत्र की जनता को यह सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और सार्वजनिक निर्माण मंत्री व उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का सहृदय आभार व्यक्त किया।

रामलाल शर्मा ने कहा, इन सड़कों के बन जाने से चौमूँ क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों की मुख्य शहरों एवं मंडियों से कनेक्टिविटी बेहद सुगम हो जाएगी। विशेष रूप से हमारे किसान भाइयों को अपनी कृषि उपज को बिना किसी परेशानी के मंडी तक पहुँचाने में मदद मिलेगी, जिससे उनके समय और लागत दोनों की बचत होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होकर तय समय में पूरा किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय नागरिकों को जर्जर सड़कों से स्थायी राहत मिलेगी।

संपादकीय

सत्ता पक्ष के लिए खतरे की घंटी

यह कहना गलत नहीं होगा कि हालिया विधानसभा उपचुनावों के परिणाम भारतीय जनता पार्टी के लिए खतरे की घंटी हैं। यह बता रहा है कि अब चुनावी मुद्दे पाकिस्तान, बांग्लादेश या हिंदू-मुस्लिम नहीं रहने वाले। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण जैसी बातें मानो अब पुरानी हो गई हैं। लगता यही है कि मतदाताओं ने हालिया मुद्दों के आधार पर अपना मत जाहिर किया, फिर चाहे वह राम मंदिर व अन्य बड़े-बड़े मंदिरों में चढ़ावा चोरी का मामला हो, छात्रों का देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन हो, पेपर लीक का मसला हो, रोजगार से जुड़े सवाल हों या फिर सत्ता पक्ष द्वारा अपनाई गई दमनकारी नीति। इन सबको मतदाताओं ने ध्यान में रखा और अपने विचार ईवीएम में दर्ज किए। बांकीपुर का नतीजा तो बिहार की उस जातीय गणित को प्रभावित करने की क्षमता रखता है, जिसे भाजपा हाल तक लगभग तय मानकर चल रही थी। बांकीपुर सीट पर भाजपा का एकछत्र राज रहा है, लेकिन अब उस पर जन सुराज का कब्जा हो गया है। प्रशांत किशोर ने बड़े अंतर से भाजपा प्रत्याशी को हराया। यह विशुद्ध रूप से शहरी क्षेत्र है, बावजूद इसके यहां से प्रशांत किशोर को सबसे अधिक वोट मिले।इसी तरह, मध्य प्रदेश के दतिया में स्थानीय मतदाताओं के असंतोष और हाल ही में हुए राजनीतिक इस्तीफों ने सत्तारूढ़ दल के लिए मुश्किलें पैदा कीं। गुजरात की मांजलपुर विधानसभा सीट भले ही फिर से भाजपा के पास चली गई हो, लेकिन वहां भी पिछले चुनाव के मुकाबले उसका वोट-प्रतिशत गिरा है। इन सबका मतलब साफ है, सत्तारूढ़ दल के सामने चुनौतियां ज्यादा हैं। इनसे पार पाने की वह कोशिश करे, अन्यथा उसके लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं।निस्संदेह, उपचुनावों के परिणामों को अंतिम जनादेश नहीं माना जा सकता, किंतु उनको चेतावनी अवश्य समझना चाहिए। लोकतंत्र में मतदाता केवल वादों से नहीं, बल्कि व्यवहार, संवेदनशीलता और जवाबदेही से प्रभावित होता है। कार्यकर्ताओं की अनदेखी, स्थानीय नेतृत्व की उपेक्षा, जन-समस्याओं के समाधान में विलंब और संवादहीनता किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है। यदि भाजपा इन परिणामों को केवल 'मतदाताओं द्वारा मिला धोखा' मानकर आगे बढ़ जाएगी, तो यह भूल भविष्य में और महंगी पड़ सकती है। हां, यदि वह इसे आत्ममंथन, संगठनात्मक सुधार और जनता से संवाद बढ़ाने का अवसर माने, तो यही हार भविष्य की बड़ी जीत की नींव भी बन सकती है।उपचुनावों के नतीजों को भाजपा के लिए चेतावनी के तौर पर बताया जा रहा है, लेकिन इससे अभी सहमत नहीं हुआ जा सकता। यह चुनाव भाजपा का लिटमस-टेस्ट नहीं था। यह प्रत्याशियों का चुनाव था। बांकीपुर इसका बड़ा उदाहरण है। वहां लोगों ने यह स्वीकार किया है कि उनको भाजपा से दिक्कत नहीं थी, बल्कि जिस प्रत्याशी को चुनावी जंग में उतारा गया था, वह उन्हें पसंद नहीं था। उनकी तुलना में प्रशांत किशोर कहीं ज्यादा लोगों को पसंद आए। इसी तरह की कहानी दतिया और मांजलपुर की भी है। इसलिए, जो लोग इन नतीजों को भाजपा के लिए खतरे की घंटी बता रहे हैं, उन्हें इस तरह के विश्लेषण से बचना चाहिए। भाजपा का झंडा अभी भी बुलंद है और आगे भी बुलंद रहेगा। चुनावी रणनीतिकार से जन-प्रतिनिधि का सफर प्रशांत किशोर के लिए आसान नहीं रहा, क्योंकि इसके पूर्व बिहार विधानसभा के आम चुनाव में उनकी पार्टी जन सुराज को एक भी सीट नहीं मिली थी। लेकिन इस बार बांकीपुर जैसी हाई-प्रोफाइल सीट पर मिली कामयाबी इस बात का संकेत है कि उनके मुद्दों के साथ राज्य की जनता है। दरअसल, प्रशांत किशोर ने पलायन, शासन-प्रशासन में भ्रष्टाचार, कमजोर कानून-व्यवस्था को प्रमुख मुद्दा बना रखा है। चुनावी जीत के बाद भी उनके जो बयान सामने आए, उसमें उन्होंने स्पष्ट कहा कि दस-पंद्रह हजार के लिए अगर राज्य का युवा बाहर कमाने जाता है, तो ऐसा विकास बेमानी है। दूसरी ओर, वह राज्य के मुखिया सम्राट चौधरी पर भी निशाना साधते रहे हैं। नतीजों के बाद भी उन्होंने यही किया, जिससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह राज्य की राजनीति की धुरी बने रहेंगे। वास्तव में, यह जन सुराज की जीत नहीं, प्रशांत किशोर की अपनी जीत है। वह एक योग्य उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में उतरे थे। सबसे अहम यह है कि बिहार जैसे पिछड़े राज्य को लंबे समय से एक ऐसे नेता की तलाश थी, जो बिहारी अस्मिता, पहचान व मुद्दों के प्रति समर्पित हो। प्रशांत किशोर इन पैमानों पर खरे उतरते हैं। हालांकि, चर्चा दतिया में भाजपा की हार और मांजलपुर में वोट-प्रतिशत के कम होने की भी हो रही है, लेकिन इन सबका संदेश यही है कि उपचुनावों में उम्मीदवारों की योग्यता, कर्मठता और ईमानदारी का मतदाताओं ने ख्याल रखा।

भगवान शिव ने मगरमच्छ बनकर क्यों ली थी माता पार्वती की परीक्षा? पढ़ें पौराणिक कथा

भगवान शिव ने माता पार्वती की परीक्षा लेने के लिए मगरमच्छ का रूप धारण किया था। पढ़ें यहां भगवान शिव और माता पार्वती से जुड़ी पौराणिक कहानी। सावन माह में भगवान शिव की आराधना करने के साथ कथा सुनने का भी महत्व है। शिव पुराण में भगवान शिव से जुड़े कई प्रसंग वर्णित हैं। इसमें भगवान शिव के अवतारों और वरदान से जुड़ी कथाएं भी वर्णित हैं। आज हम आपको बता रहे हैं कि आखिर क्यों भगवान शिव ने मगरमच्छ का रूप धारण कर माता पार्वती की परीक्षा ली थी। शिव पुराण में वर्णित एक प्रसंग के अनुसार, माता पार्वती भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठिन तप कर रही थीं। उनके तप को देखकर देवी-देवताओं ने भगवान शिव से माता पार्वती की मनोकामना पूर्ण करने का आग्रह किया। भगवान शिव ने माता पार्वती की परीक्षा लेने के लिए सप्तर्षियों को भेजा। सप्तर्षियों ने माता पार्वती को भगवान शिव के कई अवगुण गिनाएं लेकिन उन्हें भोलेनाथ के अलावा और से विवाह मंजूर नहीं था। विवाह से पूर्व भगवान शिव अपनी भावी पत्नी को लेकर आश्वस्त होना चाहते थे। इसलिए उन्होंने माता पार्वती की स्वयं परीक्षा लेने की सोची।

जब लड़के को मगरमच्छ ने पकड़ लिया-भगवान शिव प्रकट हुए और माता पार्वती को वरदान देकर अंतर्ध्यान हो गए। इतने में जहां माता तप कर रही थीं, वहीं पास में मगरमच्छ ने एक लड़के को पकड़ लिया। लड़का जान बचाने के लिए चिल्ला रहा था। माता पार्वती लड़के की चीख नहीं सुन सकी और उसकी मदद के लिए तालाब के पास पहुंचीं। माता पार्वती ने देखा कि एक मगरमच्छ लड़के को अंदर की ओर ले जा रहा है।लड़के ने माता पार्वती से कहा कि माता मेरी आप रक्षा करें। मेरी ना तो मां हैं और ना ही पिता। ना ही कोई मित्र। पार्वती जी ने मगरमच्छ से लड़के को छोड़ने के लिए कहा। मगरमच्छ बोला- दिन के छठे पहर में जो मिलता है, उसे अपना आहार समझ कर खाना मेरा नियम है। पार्वती जी ने कहा- इसे छोड़ दो, बदले में मुझसे जो चाहिए वह बता दो।

मगरमच्छ ने मांगा माता पार्वती से तप का फल-मगरमच्छ बोला- मैं एक ही शर्त पर छोड़ सकता हूं। आपने अपने तप से भगवान शिव से जो वरदान प्राप्त किया, अगर उसका फल आप मुझे दे दें, तो मैं इसे छोड़ दूंगा। माता पार्वती अपने तप का फल देने के लिए राजी हो गईं। मगरमच्छ ने समझाया कि देवी सोच लीजिए। आपने हजारों वर्षों तक जैसा तप किया है वह देवी-देवताओं के लिए संभव नहीं है। पार्वती जी ने कहा कि उनका फैसला अडिग है। मगरमच्छ ने पार्वती माता से तपदान का संकल्प करवाया। तप का दान होते ही मगरमच्छ का शरीर चमकने लगा। मगर माता पार्वती से बोला- देवी आपके तप के प्रभाव से मैं तेजस्वी बन गया हूं। आपने अपने जीवन भर की पूंजी बच्चे के लिए व्यर्थ कर दी। आप चाहें मैं आपको एक और मौका दे सकता हूं।

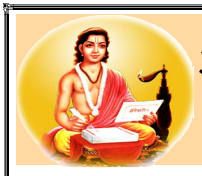

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 11.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✳ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

विश्व यादव परिषद द्वारा आयोजित होगा सम्मान समारोह

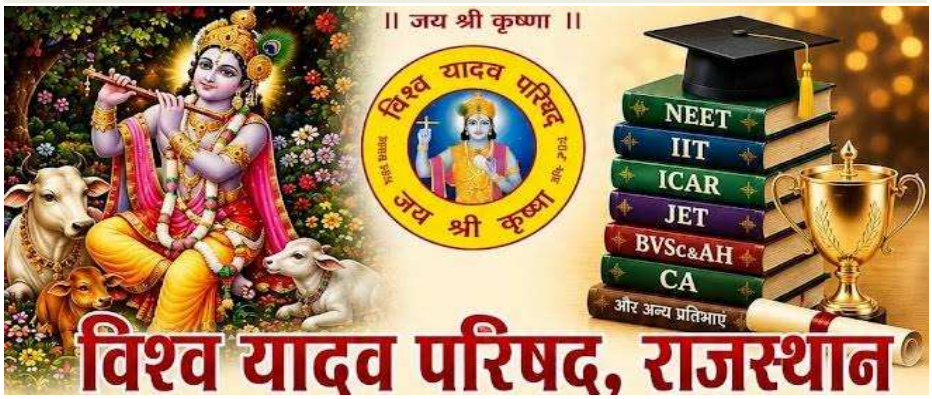

जयपुर (संस्कार सृजन)। विश्व यादव परिषद राजस्थान की ओर से रविवार 9 अगस्त को चौमूं क्षेत्र के कालाडेरा नगर पालिका स्थित पेट्रोल पंप के पास जयपुर देहात प्रतिभा सम्मान समारोह एवं मोटिवेशनल सेमिनार का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का समय प्रातः 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक रहेगा।

इस कार्यक्रम के माध्यम से जयपुर एवं जयपुर देहात क्षेत्र की यदुवंशी प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। समारोह में NEET, IIT/MNIT, PhD, JET, BVSc & AH, विधि सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं, नवचयनित कर्मचारियों तथा खेल-कूद के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। आयोजक प्रदेशाध्यक्ष रामदेव यादव और मीडिया प्रभारी भगवान सहाय यादव ने बताया कि ऐसे मोटिवेशनल सेमिनार और सम्मान समारोह से युवाओं में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा होती है और प्रतिभाएं निखर कर सामने आती हैं। परिषद ने सभी समाज बंधुओं, चयनित प्रतिभाओं तथा उनके माता-पिता से अपील की है कि वे 9 अगस्त को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएं और युवाओं का उत्साहवर्धन करें।

क्या बेलपत्र का वृक्ष घर में लगा सकते हैं?, मां लक्ष्मी और शिवजी का है स्वरूप

भगवान शिव पर चढ़ने वाले बेलपत्र का वृक्ष घर में लगा सकते हैं या नहीं इसको लेकर अगर आप कंफ्यूज हैं तो आप यहां जान सकते हैं कि इसे घर में लगाए या नहीं। **शिवजी पर बेलपत्र क्यों चढ़ाते हैं?**सावन में भगवान शिव पर बेलपत्र तो आप अर्पित करते होंगे, लेकिन अक्सर इसको घर में लगाने को लेकर हम दुविधा में रहते हैं कि क्या बेलपत्र का पौधा घर में लगाना चाहिए। सावन में इसके पत्ते तो आप शिवजी पर अर्पित करते हैं,लेकिन क्या इसका वृक्ष अपने आंगन में सींच सकते हैं। आज सावन में शिव पूजा को लेकर हम इसी बारे में बात करेंगे। **क्या घर में बेलपत्र लगा सकते हैं?**पहले जानते हैं कि बेलपत्र का निर्माण कैसे हुआ, कहा जाता है कि मां लक्ष्मी के पसीने से इस वृक्ष की उत्पत्ति हुई। ऐसा कहा जाता है कि अगर आप इस वृक्ष को अपने घर में लगाते हैं तो सारे तीर्थ अपने आप विराजमान रहते हैं, अगर आपने एक बार लाइफ में बेलपत्र का पौधा लगाया है तो आपको हजारों यज्ञों का फल एक क्षण में मिल जाता है। जो मनुष्य बेलपत्र का पौधा लगाता है, उसे सींचता है उसे जल देता है, उसके वंश का कभी नाश नहीं होता है। ये कांटेदारहोता है, लेकिन बेलपत्र का लगा सकते हैं, सुबह शाम इसके दर्शन को बहुत शुभ माना गया है। लक्ष्मी उस घर को नहीं छोड़ती है। आपको बेलपत्र के पेड़ के नीचे बैठकर भजन करने का कई गुना फल मिलता है। ऐसा कहा जाता है कि जो अपने हाथों से बेलपत्र का पेड़ लगाते हैं उके वंश का नाश नहीं होता।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष - कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे और अटके हुए काम गति पकड़ेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। परिजनों और जीवनसाथी के साथ संवाद बनाए रखें।

वृषभ - निवेश और संपत्ति संबंधी मामलों में सावधानी बरतें। कार्यस्थल पर सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। खान-पान पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

मिथुन - रचनात्मक और व्यावसायिक प्रयासों में सफलता मिलेगी। अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। मानसिक तनाव से बचें। पारिवारिक जीवन में खुशहाली रहेगी।

कर्क - नए प्रोजेक्ट्स की शुरुआत के लिए समय अनुकूल है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें।मौसमी बीमारियों से सावधान रहें। दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

सिंह - पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। ऊर्जावान महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी छोटी यात्रा की संभावना है।

कन्या - धैर्य और समझदारी से काम लें। वित्तीय मामलों में किसी भी प्रकार की जल्दबाजी से बचें।योग और ध्यान को दिनचर्या में शामिल करें। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों का मार्गदर्शन मिलेगा।

तुला - व्यापार और नौकरी दोनों क्षेत्रों में लाभ के अवसर मिलेंगे। नए लोगों से नेटवर्किंग फायदेमंद रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात संभव है।

वृश्चिक - कार्यक्षेत्र में मेहनत का पूरा फल मिलेगा। पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। पर्याप्त आराम लें। दांपत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा।

धनु - शिक्षा और विदेश से जुड़े मामलों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धार्मिक या सामाजिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा।

मकर - गोपनीय बातों को साझा करने से बचें। मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है, लेकिन परिणाम सकारात्मक रहेंगे। सेहत का विशेष ध्यान रखें। प्रियजनों के साथ मतभेद सुलझाने का प्रयास करें।

कुंभ - साझेदारी के कार्यों में सफलता

मिलेगी। व्यापारिक सौदे लाभदायक सिद्ध होंगे। मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे। रिश्तों में प्रगाढ़ता आएगी।

मीन - प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त मिलेगी। अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखें, सफलता अवश्य मिलेगी। दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। परिवार का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

(कहानी) रक्षाबंधन

प्रभाती लाल सैनी

सावन की पूर्णिमा की रिमझिम फुहारों के बीच रोहन अपनी पुरानी टूटी हुई साइकिल के पेडल मारते हुए शहर की मुख्य मंडी की ओर बढ़ रहा था। सत्रह साल का रोहन अपनी चौदह साल की छोटी बहन स्नेहा का इकलौता सहारा था। दो साल पहले एक सड़क हादसे में माता-पिता को खोने के बाद दोनों एक-दूसरे की हिम्मत बन चुके थे। स्नेहा पढ़ाई में बेहद होशियार थी और उसका सपना एक दिन डॉक्टर बनने का था। लेकिन आर्थिक तंगी के कारण इस साल उसकी स्कूल फीस और नई किताबों का इंतज़ाम करना लगभग असंभव लग रहा था। रक्षाबंधन का त्योहार सिर पर था। स्नेहा ने पिछले कई दिनों से रोहन से किसी भी उपहार की मांग नहीं की थी। वह जानती थी कि उसके भाई पर घर चलाने का कितना बड़ा बोझ है। लेकिन रोहन अपनी बहन के सपनों को टूटते हुए नहीं देखना चाहता था।

त्योहार से चार दिन पहले रोहन ने ठान लिया कि वह स्नेहा की फीस भरकर रहेगा। उसने पास की एक कपड़ा दुकान में दिन-रात काम करना शुरू कर दिया। दिन में वह पढ़ाई करता, दोपहर में डिलीवरी बॉय का काम करता और देर रात तक गोदाम में सामान उठाता। उसकी आँखें थकान से लाल हो जातीं, हाथ-पैर दर्द से टूटते, लेकिन जब भी वह स्नेहा का मुस्कुराता चेहरा याद करता, उसकी सारी थकान छूमंतर हो जाती। रक्षाबंधन की सुबह आई। घर में सादगी थी, लेकिन प्यार का माहौल भरपूर था। स्नेहा ने एक सुंदर सी सूती राखी तैयार की थी। जब उसने रोहन के माथे पर तिलक लगाया और उसकी कलाई पर रेशमी धागा बांधा, तो रोहन की आँखों में नमी आ गई। स्नेहा ने मुस्कुराते हुए कहा, भैया, मेरे लिए आपकी सलामती ही सबसे बड़ा उपहार है। मुझे कोई सामान नहीं चाहिए।

रोहन ने बिना कुछ कहे अपनी जेब से एक लिफाफा निकाला और स्नेहा के हाथों में थमा दिया। जब स्नेहा ने लिफाफा खोला, तो उसमें उसकी पूरे साल की स्कूल फीस की रसीद और डॉक्टर बनने की प्रवेश परीक्षा की कुछ नई पुस्तकें थीं।

स्नेहा हैरान रह गई। उसने रोहन के छाले पड़े हाथों को देखा और रो पड़ी। 'भैया! आपने यह सब कैसे किया? आपके हाथ...'

रोहन ने स्नेहा के आँसू पोंछते हुए बड़े प्यार से कहा, 'स्नेहा, रक्षाबंधन का मतलब सिर्फ अपनी बहन की रक्षा करना नहीं होता, बल्कि उसके सपनों को रक्षा की ढाल देना भी होता है। जब तक तेरा यह भाई ज़िंदा है, तेरी पढ़ाई और तेरे सपनों के बीच गरीबी कभी नहीं आ सकती। तेरी सफलता ही मेरी असली राखी का उपहार होगी।'

स्नेहा ने रोहन को गले लगा लिया। उस दिन उसने सिर्फ एक रेशम का धागा नहीं बांधा था, बल्कि अपने भाई के अटूट समर्पण को महसूस किया था।

यह कहानी हमें सिखाती है कि रक्षाबंधन का पावन पर्व सिर्फ उपहारों के लेन-देन या औपचारिकताओं तक सीमित नहीं है। यह निस्वार्थ प्रेम, त्याग और एक-दूसरे के सपनों को पूरा करने की प्रेरणा का प्रतीक है। सच्चा भाई वही है जो अपनी बहन के पंखों को उड़ने के लिए आसमान दे, और सच्ची बहन वही है जो अपने भाई की हिम्मत बनकर हर मोड़ पर उसके साथ खड़ी रहे।

छोटीलाल गोरासरा का सेवानिवृति पर हुआ भव्य सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)। शहर के सिरसली निवासी छोटीलाल गोरासरा (RCS) संयुक्त रजिस्ट्रार, सहकारिता विभाग से अपनी गोरवमयी राजकीय सेवा से पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से सकुशल सेवानिवृत होने पर भव्य सम्मान किया गया। इस दौरान बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं के महासचिव एवं न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ राजस्थान के जिला महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया व बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं के संरक्षक सेवानिवृत अतिरिक्त जिला कलेक्टर के.आर. बुनकर ने गोरासरा का माला, साफा एवं संविधान निर्माता भारतरत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को दिया कावड़ यात्रा का निमंत्रण

जयपुर (संस्कार सृजन)। बाबा अमरनाथ कावडिया संघ चौमूं नगर के तत्वावधान में 16-17 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाली विशाल कावड़ यात्रा व भजन संध्या के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को कावड़ संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा आमंत्रित किया गया । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव अभिषेक सैनी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सेवादल प्रदेश प्रशिक्षक कमल सिंह यादव, समाजसेवी हेमंत कौशल सैनी, संरक्षक कुमार गौरव सैनी आदि द्वारा पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को दुपट्टा ओढाकर पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया तथा श्री मालेश्वरनाथ महादेव मंदिर, महारकला में दिनांक 16 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाली विशाल भजन संध्या व 17 अगस्त 2026 को होने वाली विशाल द्वादश कावड़ यात्रा का निमंत्रण दिया गया पायलट ने कहा कि पवित्र श्रावण मास में ऐसे धार्मिक आयोजन होते रहने चाहिए तथा कावड़ संघ को सफल आयोजन की शुभकामनाओं सहित कार्यक्रम में यथासम्भव उपस्थित रहने का आश्वासन दिया।

विराज फाउंडेशन की तृतीय पंचदिवसीय देवदर्शन यात्रा रवाना

चौमूं (संस्कार सृजन)। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित तृतीय पंचदिवसीय देवदर्शन यात्रा का शुभारंभ श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। यात्रा को फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने बताया कि विराज फाउंडेशन द्वारा लगातार तीसरे वर्ष इस देवदर्शन यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सांवरिया सेठ, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग (उज्जैन), ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, सीहोर स्थित धार्मिक स्थलों तथा शनि मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की धार्मिक यात्राएं श्रद्धालुओं में आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक समरसता एवं भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था को सुदृढ़ करने का कार्य करती हैं। इस अवसर पर फैंसी फुटवियर एवं जनरल व्यापार मंडल के अध्यक्ष पवन सैनी, विराज फाउंडेशन के प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, प्रदेश मंत्री ओमप्रकाश रीडर, प्रदेश सलाहकार सत्यप्रकाश पारीक, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष नारायण लाल शर्मा, व्यापार मंडल महामंत्री रामलाल शेरावत, चौमूं तहसील अध्यक्ष अशोक रेवड़का, योगेश शर्मा, बनवारी लाल जिंदल, सुरेश कुमार अग्रवाल, महेंद्र घटाला सहित अनेक गणमान्यजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पंडित रविंद्र आचार्य ने किया रामशहर फोर्ट रिजॉर्ट का वास्तु परीक्षण

जयपुर (संस्कार सृजन)। चंडीगढ़ के समीप स्थित प्रसिद्ध रामशहर फोर्ट रिजॉर्ट का अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने वास्तु परीक्षण किया। प्राकृतिक सौंदर्य और खूबसूरत वादियों से आच्छादित यह रिजॉर्ट अपनी विशिष्ट भव्यता के लिए जाना जाता है।

रिजॉर्ट आगमन पर संस्थान के संचालक एवं खाटू श्याम जी के परम भक्त प्रवीण बंसल ने सभी अतिथियों का पारंपरिक एवं आत्मीय स्वागत किया। वास्तु परीक्षण के दौरान प्रवीण बंसल को रिजॉर्ट की सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि को और बढ़ाने के लिए आवश्यक वास्तु उपाय बताए गए।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल, सुमित बंसल, सुखविंदर सिंह, मनोहर अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी उपस्थित अतिथियों ने रिजॉर्ट की प्राकृतिक सुंदरता और इसके व्यवस्थित प्रबंधन की सराहना की।

सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात की बैठक में तैयारियों को दिया अंतिम रूप

जयपुर (संस्कार सृजन)। सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद मिश्रा के मुख्य आतिथ्य तथा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा एवं प्रमुख वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सोहनलाल पारीक की संयुक्त अध्यक्षता में थाना मोड़ स्थित सुण्डेश्वर महादेव मंदिर के पास संपन्न हुई।

मुख्य संगठन महामंत्री गजानंद शर्मा एवं समन्वयक मंजीता शर्मा ने बताया कि महासभा के तत्वावधान में आगामी 30 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले शिक्षा और प्रतिभा के महाउत्सव सर्व ब्राह्मण प्रतिभा एवं विप्र गौरव अलंकरण समारोह को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा

की गई और तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि प्रतिभा सम्मान केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि समाज में मेहनत, लगन और उत्कृष्टता को सम्मानित करने का एक सशक्त मंच है। ऐसे आयोजन युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने समारोह में अधिक से अधिक समाज बंधुओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

संयोजक टिंकू शर्मा एवं मुकेश शर्मा ने जानकारी दी कि प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 अगस्त 2026 तय की गई है। इसके बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए बजरंग लाल शर्मा, कैलाश चंद शर्मा, मुकेश मेहता, योगेश शर्मा, दीपिका पारीक, शायर शर्मा, अनीता शर्मा, कविता शर्मा, उषा शर्मा, मास्टर श्याम शर्मा, प्रभु दयाल शर्मा, संतोष शर्मा, सीमा पारीक, निशा पारीक और संतोष देवी शर्मा सहित कई प्रबुद्ध जनों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

नया और विकसित भारत अभियान के तहत नागरिक जागरूकता गोष्ठी हुई आयोजित

जयपुर (संस्कार सृजन)। नया और विकसित भारत अभियान के अंतर्गत न्यू इंडिया ट्रस्ट एवं ओम शिव कॉलोनी विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष नागरिक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महेंद्र सिंह नरूका एवं समिति के सचिव नितिन श्रीवास्तव ने की।

गोष्ठी के दौरान न्यू इंडिया ट्रस्ट के प्रोजेक्ट डायरेक्टर संजय सक्सेना ने क्षेत्र में चलाए जा रहे अभियान के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय नागरिकों एवं सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ताओं से अभियान का नेतृत्व करने की अपील करते हुए कहा कि यह सीधे नागरिकों से जुड़ा हुआ अभियान है, जिसमें जन-भागीदारी से ही वास्तविक सामाजिक परिवर्तन संभव हो सकेगा। यह समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों एवं जागरूक नागरिकों का एक सामूहिक प्रयास है।

विकास समिति के पदाधिकारियों एवं कॉलोनी वासियों ने अभियान के प्रति पूर्ण उत्साह दिखाते हुए हर संभव सहयोग का

भरोसा दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महेंद्र सिंह नरूका ने अभियान के समर्थन में उपस्थित नागरिकों से संकल्प पत्र भरवाए, साथ ही सभी को नागरिक कर्तव्यों के निष्ठापूर्वक पालन हेतु शपथ दिलाई और नवीभा गठन का कार्य संपन्न करवाया। कार्यक्रम के अंत में संस्था संरक्षक अमरनाथ चंगोत्रा ने नागरिक जागरूकता के विविध पहलुओं पर विचार व्यक्त किए एवं सभी का आभार जताया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रतिनिधि पंकज कुमार सैनी, शशिकांत पारीक, रोशन लाल मीणा, उम्मीद सिंह पवार, नवरत्न सोनी, दीनदयाल पारीक, संगीता बारी, समुद्र सिंह, सूरज गुर्जर, संदीप सिंह यादव, सोनू गुप्ता, रामलाल नेहरा, गजानंद, हेम सिंह, मुकेश खटीक, शिवदयाल सिंह शेखावत, महावीर प्रसाद, सीताराम शर्मा, दिनेश सेन देवनारायण, विष्णु शर्मा, मनोज पारीक, शिवकुमार, अशोक शर्मा, सुनील कुमावत, अरविंद वशिष्ठ, रामवतार पारीक, महेश शर्मा, पूरन सिंह एवं योगेश जोशी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत से मिला भारतीय किसान संघ का प्रतिनिधिमंडल

जयपुर (संस्कार सृजन)। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत मिलने वाली अनुदान राशि पिछले सात महीनों से बकाया होने पर भारतीय किसान संघ ने कड़ा रोष जताया है। इस मुद्दे को लेकर भारतीय किसान संघ (प्रांत) के प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय पहुंचकर डेयरी एवं पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत से मुलाकात की और त्वरित भुगतान की मांग की।

भारतीय किसान संघ के प्रांत महामंत्री डॉ. सांवर मल सोलेट ने बताया कि राज्य सरकार पशुपालक किसानों को 5 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से अनुदान देती है, जो पिछले 7 माह से अटका हुआ है। वर्तमान में चारे और खल के दाम अत्यधिक बढ़ चुके हैं, जिससे पशुपालकों को भारी आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें पैसों की सख्त आवश्यकता है।

प्रांत अध्यक्ष कालूराम बागड़ा एवं प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इस विषय पर पूर्व में भी कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं। प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी है कि यदि 15 अगस्त तक किसानों के खातों में बकाया अनुदान राशि जारी नहीं की गई, तो भारतीय किसान संघ को मजबूरन किसान हित में बड़ा आंदोलन शुरू करना पड़ेगा।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में प्रांत अध्यक्ष कालूराम बागड़ा, प्रांत महामंत्री डॉ. सांवर मल सोलेट, प्रांत मंत्री लटूर सिंह गुर्जर, प्रांत कोषाध्यक्ष शिवशंकर टांक एवं प्रांत संगठन मंत्री नीरज कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सर्व समाज जागृति संघ अध्यक्ष शर्मा ने कथावाचक को दिया मायरा विशारद अवार्ड

जयपुर (संस्कार सृजन)

सर्व समाज जागृति संघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉक्टर सुरेश चंद शर्मा ने कहा कि कथावाचक पंडित महेश शर्मा हवेली वाले के मुखारविंद से नानी बाई का मायरा का रसपान करके श्रोताओं का रोम रोम पुलकित हो रहा है। गहन शास्त्रज्ञान, स्पष्ट, मधुर वाणी, भावुकता और भाव के साथ संवाद शैली यह सभी गुण आप में विद्यमान होने के कारण इनको मायरा विशारद अवार्ड से नवाजा गया है। डॉ. शर्मा ने पंडित महेश शर्मा को दुपट्टा और स्मृति चिन्ह देते समय सभी उपस्थित कथा प्रेमियों को अवगत कराया की नानी बाई का मायरा की रचना प्रसिद्ध कृष्ण भक्त मीराबाई ने की थी। यह कथा महान भक्त नरसी जी मेहता की पुत्री नानी बाई के यहां भगवान श्री कृष्णा स्वयं भात भरने आए एवं 56 करोड़ का भात भरा था। भक्तमाल में स्पष्ट लिखा है कि इसमें कृष्ण भगवान 52 बार भक्त नरसी मेहता को दर्शन दिए। नानी बाई के मायरा से हमें यह सीख मिलती है की सच्ची भक्ति कभी व्यर्थ नहीं जाती। भगवान अपने भक्तों की लाज और गरिमा की रक्षा के लिए हमेशा आते हैं। इस दौरान जिला अध्यक्ष पंडित रामस्वरूप शर्मा, शिक्षाविद हजारीलाल शर्मा, समाजसेवी कैलाश तिवाड़ी, वैष्णो माता के महंत कैलाश भगत, ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष नाथूलाल शर्मा, पत्रकार सतीश शर्मा एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सभी देशवासियों को संस्कार सृजन समाचार पत्र की ओर से

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ !

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी